NBT PAGE 6

'सर्वोत्तम प्रयासों से पर्यावरण की रक्षा करें'

एलयू के भूविज्ञान विभाग में हुए व्याख्यान में कई विशेषज्ञ पहुंचे।

■ एनबीटी सं, लखनऊ : ऐसे शोध की आवश्यकता है जो सतत विकास के लिए जलवायु परिवर्तन से निपट सके। ये बातें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहीं। वह सोमवार को एलयू के भूविज्ञान विभाग में 'महासागर डीऑक्सीजनेशन' विषय पर हरि नारायण लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड व्याख्यान में बोल रहे थे। इस बीच उन्होंने छात्रों के लिए यूपी के बाहर मौजूद बेहतर अवसरों के कारण प्रतिभा का पलायन होने पर चिंताजनक स्थिति की भी चर्चा की।

कार्यक्रम में भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने कहा कि इस समय यह निर्धारित करना बहुत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है कि पर्यावरण के विभिन्न घटकों पर मानवजनित गतिविधियों का क्या प्रभाव पड़ता है। वर्तमान व्याख्यान जिसमें समुद्र पर मानवजनित गतिविधियों का वर्णन है, समाज के लिए बहुत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि प्रकृति मानव जाति को सब कुछ निःशुल्क प्रदान कर रही है। इसलिए यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने सर्वोत्तम प्रयासों से पर्यावरण की रक्षा करें। प्राकृतिक संसाधन एक बार नष्ट हो जाने के बाद दोबारा नहीं भरे जा सकते।

एलयू में 'महासागर डीऑक्सीजनेशन' विषय पर हुआ व्याख्यान

एनजीआरआई, हैदराबाद के पूर्व निदेशक डॉ. वीएम तिवारी ने देशहित में अच्छे शोध के लिए आगे आने पर जोर दिया। वाडिया संस्थान देहरादून और बीएसआईपी डॉ. कलाचंद सैन ने कहा कि समाज के विकास में भूवैज्ञानिक की भूमिका अहम है। उन्होंने वैज्ञानिकों के एक साथ शोध कार्यों को करने की महत्ता पर चर्चा की। डॉ. नकवी ने बताया कि पर्यावरण में बढ़ते तापमान और ऑक्सीजन की कमी का स्तर अब इतनी गंभीर सीमा पर पहुंच गया है कि इसकी भरपाई प्रकृति की ओर से नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम में आईजीयू के सचिव डॉ. बंसल, प्रो.विभूति राय, प्रो. आर बली, डॉ. संजय गोपाल, एनजीआरआई, हैदराबाद के पूर्व निदेशक डॉ. वीएम तिवारी भी शामिल रहे।

'बेहतर ग्रेड के लिए सहयोग करें विवि'

■ एनबीटी सं, लखनऊ : विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग में उत्कृष्ट ग्रेड प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि विवि एकाकी सोच से ऊपर उठकर आपसी सहयोग करें। एनआईआरएफ और क्यूएस रैंकिंग हासिल करने के लिए विवि कम समय में अच्छे परिणाम के लिए ध्यान केंद्रित करें। ये बातें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहीं। वह सोमवार को राजभवन में एलयू की एनआईआरएफ और क्यूएस विश्व रैंकिंग में उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए हुई कार्यशाला में बोल रही थीं। कार्यशाला में एलयू वीसी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू ने एनआईआरएफ में 115वीं रैंक प्राप्त करके पिछली ग्रेडिंग से 80 पायदान ऊपर की रैंकिंग हासिल की है। अब विवि शीर्ष 100 में रैंकिंग प्राप्त करने के लिए कार्य कर रहा है।

HINDUSTAN PAGE 6

लखनऊ विश्वविद्यालय में 22 विषयों में सीटों से भी कम आवेदन आने के चलते अब सीधे दाखिला दिया जाएगा

एलयू : पीजी की 1700 सीटों पर सीधा प्रवेश

दाखिले की दौड़

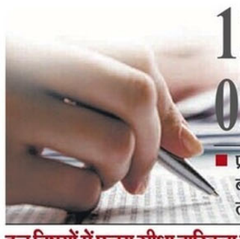

13 अगस्त तक करीब 44 विषयों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी

03 पाठ्यक्रमों के लिए एलयू ने सीटों की दूसरी आवंटन सूची जारी की

■ प्रवेश परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रवेश से संबंधित तारीख तय की जाएगी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के परास्नातक स्तर के कई पाठ्यक्रमों में सीधे एडमिशन लेने का मौका है। सीटों से कम आवेदन आने से इन विषयों में बिना प्रवेश परीक्षा दिए दाखिले लिए जाएंगे।

एलयू में पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पांच अगस्त से प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही हैं। 13 अगस्त तक 44 विषयों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी, 22 विषयों की तकरीबन 1700 सीटों पर सीधे प्रवेश का मौका है। बताया गया है कि आचार्य, अरब कल्चर, अरेबिक, कम्पोजिट हिस्ट्री, डिफेंस स्टडीज, फ्रेंच, फिलॉस्फी, संस्कृत, उर्दू, वेस्टर्न हिस्ट्री, पॉप्यूलेशन स्टडीज, इंवायरमेंटल साइंस, क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन, लिंग्वेस्टिक, पर्शियन, एमए/एमएमसी योगा, एमएससी रिन्यूवल एनर्जी, पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, अलीम, होम साइंस, ज्योतिर्विज्ञान और वूमन स्टडीज में सीधे दाखिले लिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा के बाद प्रवेश संबंधित तिथि तय होगी।

इन विषयों में एलयू सीधा दाखिला दे रहा है

विषय	सीटें	फीस	विषय	सीटें	फीस
आचार्य	20	1125	इंवायरमेंटल साइंस	40	28580
अरब कल्चर	30	4120	क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन	40	15080
अरेबिक	30	4120			
कम्पोजिट हिस्ट्री	40	4120	लिंग्वेस्टिक	30	4120
डिफेंस स्टडीज	25	15080	पर्शियन	20	4120
फ्रेंच	10	15080	एमए/एमएमसी योगा	50	35080
फिलॉस्फी	40	4120	एमएससी रिन्यूवल एनर्जी	25	28580
संस्कृत	60	4120	पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस	30	35080
उर्दू	130	4120	होम साइंस	40	15080
वेस्टर्न हिस्ट्री	36	4120	ज्योतिर्विज्ञान	20	11080
पॉप्युलेशन स्टडीज	40	15080	वूमन स्टडीज	30	11080

नोट : फीस प्रति सेमेस्टर (रुपए में)

एमए संस्कृत की काउंसिलिंग आज से : लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी प्रवेश प्रक्रिया के तहत एमए संस्कृत पाठ्यक्रम के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया मंगलवार से शुरू होगी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एमए संस्कृत के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए 8-9 अगस्त को संस्कृत, प्राकृत भाषा में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा। जिसके बाद सूची जारी होगी।

एलयू ने स्नातक के तीन पाठ्यक्रमों के लिए दूसरी सूची जारी कर दी है। इन यूजी कार्यक्रमों में 11 अगस्त तक फीस भर सकेंगे। एलयू में स्नातक प्रवेश 2023-24 के तहत बीसीए, बीवीए या बीएफए, एलएलबी की दूसरी आवंटन लिस्ट जारी हुई है।

क्रिश्चियन कॉलेज में बीए बीएससी में सीधा दाखिला

लखनऊ। गोलागंज स्थित लखनऊ क्रिश्चियन डिग्री कॉलेज में सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। बीए, बीएससी में सीधे दाखिले का मौका है। बीकॉम रेगुलर की तीसरी मेरिट जारी कर दी गई है।

क्रिश्चियन कॉलेज में स्नातक स्तर के रेगुलर पाठ्यक्रमों की बची सीटों पर आवेदन लिए जा रहे हैं। सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में भी एडमिशन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राचार्य डॉ. डीजे गोडिन ने बताया कि बीए व बीएससी बायो पाठ्यक्रम की कुछ रेगुलर सीटें बच गई हैं जिन पर आवेदन कर दाखिला लिया जा सकता है। इसी तरह बीएससी मैथ्स व बीकॉम सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम के लिए भी कॉलेज काउंटर से फॉर्म लेकर दाखिला लिया जा सकता है।

बीकॉम की तीसरी मेरिट लिस्ट जारी

क्रिश्चियन कॉलेज में बीकॉम रेगुलर के लिए तीसरी मेरिट सूची जारी कर दी है। मेरिट लिस्ट नंबर में 426 से 655 तक के अभ्यर्थी कॉलेज पहुंचकर सीधे प्रवेश ले सकते हैं। गौरतलब है कि नौ अगस्त तक ही एडमिशन लिए जा सकेंगे।

केकेसी : पीजी में 20 तक आवेदन

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय (केकेसी) में एलएलबी, परास्नातक पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में आवेदन की तारीख तय कर दी गई है। अब कॉलेज में 20 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे। केकेसी में पीजी स्तर पर हिन्दी, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र में एमए, एमकॉम प्योर, अप्लाइड इकोनॉमिक्स) और भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र में एमएससी पाठ्यक्रम संचालित है।

JAGRAN CITY PAGE III

अब टूटे हुए कांच को जोड़ना होगा आसान

जागरण संवाददाता, लखनऊ : अब प्रयोगशाला व किचन में प्रयोग होने वाले ग्लास युक्त उपकरण से लेकर एयर क्राफ्ट में लगाए जाने वाले कांच को टूटने पर जोड़ना आसान होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम व उनके शोधार्थी जायरीन, श्वेता, सर्वेश कुमार अवनाशी व रजत कुमार मिश्रा ने अपने एक साल से अधिक समय तक किए गए शोध में यह दावा किया है।

इस कांच को मेल्ट कुएँच तकनीक नामक प्रक्रिया का उपयोग करके बनाया गया है, जिसमें लेड आक्साइड, फास्फोरस और सिलिकान सहित विभिन्न आक्साइड की मदद से गलन (मेल्टिंग) तापमान 1,300 डिग्री सेंटीग्रेड पर यह पदार्थ तैयार किया गया है। हाल ही में स्प्रिंगर के एप्लाइड फिजिक्स ए नामक अंतरराष्ट्रीय जर्नल में यह शोध प्रकाशित हुआ है।

भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम बताते हैं कि बुलेटप्रूफ सहित कांच विभिन्न प्रकार के होते हैं। कुछ का गलन तापमान अधिक तो कुछ का कम होता है। अभी तक टूटे कांच को जोड़ने के लिए किसी चिपकाने वाले पदार्थ जैसे गोंद आदि का प्रयोग किया जाता है, लेकिन ज्यादा तापमान पर ये काम नहीं करते और फिर से टूट जाते हैं। इसलिए शोध के माध्यम से ऐसा पदार्थ तैयार किया गया है जिससे कांच मजबूती से जुड़ सके। कांच को अकार्बनिक पदार्थ को मिलाकर बनाया जाता है जो आक्साइड मटीरियल के रूप में होता है।

डा. सीआर गौतम प्रयोगशाला में कांच पर शोध करते हुए● सौ : लवि

● लवि के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम व उनके शोधार्थियों ने किया शोध

1,300 डिग्री सेंटीग्रेड गलन तापमान पर तैयार किया गया है यह पदार्थ

770 डिग्री सेंटीग्रेड तक के उच्च तापमान पर करेगा काम : डा. गौतम ने बताया कि इस शोध कार्य के माध्यम से तैयार किए गए कांच का इस्तेमाल 770 डिग्री सेंटीग्रेड तक के उच्च तापमान तक पिघलने वाले किसी भी प्रकार के ग्लास को सील करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। इस नए प्रकार के ग्लास सील करने वाली सामग्री का उपयोग उच्च तापमान पर बनने वाले उपकरणों के लिए हो सकेगा।

एमए बिजनेस इकोनामिक्स कोर्स में इस साल पढ़ाई नहीं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल एमए बिजनेस इकोनामिक्स कोर्स नहीं संचालित होगा। निर्धारित मानक 60 फीसद से कम आवेदन आने की वजह से यह निर्णय लिया गया है। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि किसी भी पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए निर्धारित मानक के अनुसार आवेदन आने जरूरी हैं। लेकिन बिजनेस इकोनामिक्स के लिए कम आवेदन आए। इसलिए इसे नहीं चलाया जाएगा। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का शुल्क वापस कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि मंगलवार को बिजनेस इकोनामिक्स के लिए प्रवेश परीक्षा होनी थी। अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं हुए तो उन्होंने विश्वविद्यालय में संपर्क किया, जिसके बाद उन्हें जानकारी मिली।

विषय बदलने की मांग पर सौंपा ज्ञापन : लखनऊ विश्वविद्यालय में बीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र के विषय बदलने का मामला नहीं सुलझ पा रहा। अभी तक विषय न बदले जाने से नाराज दोनों छात्रों ने सोमवार को कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक से मिलकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान साथ में आए छात्रों ने गेट बंद होने पर विरोध जताया। बीए एनईपी प्रथम वर्ष के छात्र मानस चौधरी व यश अग्रवाल का आरोप है कि उन्हें बीते वर्ष प्रवेश परीक्षा देने के बाद अरब कल्चर, लिंग्विस्टिक और हिंदी विषय आवंटित हुए थे। बाद में अनुरोध करने पर दूसरे विषय बदल दिए गए। लेकिन यूपीडीआरसी पोर्टल पर उसे नहीं चढ़ाया गया।

आनलाइन संगोष्ठी : खुन-खुन जी गर्ल्स डिग्री कालेज में सोमवार को राष्ट्र कवि रविंद्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि के अवसर पर आनलाइन संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता के रूप में केसरवानी कालेज मध्य प्रदेश के प्रो. ध्रुव दीक्षित ने शैक्षिक दर्शन एनईपी 2020 से जोड़ा। साथ ही बच्चों में रटने के स्थान पर चिंतन तथा कल्पना की आदत का विकास करने पर बल दिया। वक्ता डा. नीरा जलक्षत्री, प्राचार्या प्रो. अंशु केडिया, डा. बीना यादव, डा. शालिनी शुक्ला, डा. उमा चौधरी मौजूद रहीं।

'सतत विकास के साथ जलवायु परिवर्तन पर भी हो शोधकार्य'

जासं, लखनऊ : प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग आलोक कुमार ने सोमवार को कहा कि विकास गतिविधियों को उन्नत करने और उच्च शिक्षण संस्थानों को वैश्विक स्तर पर ब्रांड बनाने के लिए विश्वविद्यालयों और डिग्री कालेजों में गुणवत्तापूर्ण शोध किया जाना चाहिए। शोध ऐसे हों जो सतत विकास के लिए जलवायु परिवर्तन से निपट सकें। प्रमुख सचिव लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में आयोजित महासागर डीआक्सीजनेशन विषय पर हरि नारायण लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड व्याख्यान में बोल रहे थे।

लवि के भूविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय भूभौतिकीय संघ के संयुक्त सहयोग से आयोजित व्याख्यान में पूर्व निदेशक राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआइ), हैदराबाद डा. वी.एम. तिवारी ने अनुसंधान संस्थानों के साथ विश्वविद्यालयों के भविष्य के सहयोग के बारे में चर्चा की। निदेशक वाडिया संस्थान देहरादून और निदेशक बीएसआइपी लखनऊ डा. कलाचंद सैन ने समाज के विकास में भूवैज्ञानिक की भूमिका पर जोर दिया। लवि के भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर ध्रुव सेन सिंह ने कहा कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने सर्वोत्तम प्रयासों से अपने पर्यावरण की रक्षा करें। मानद सचिव भारतीय भूभौतिकीय संघ और मुख्य वैज्ञानिक एनजीआरआइ हैदराबाद डा. अभय राम बंसल, डा. एसडब्ल्यू नकवी, प्रो. विभूति राय, क्षेत्रीय निदेशक सीजीडब्ल्यूबी डा. संजय गोपाल भरतरिया, राजेश श्रीवास्तव सीएमडी व निदेशक ओएनजीसी प्रोफेसर अशोक साहनी, प्रो. आर बली ने भी विचार रखे। इस मौके पर राजेश कुमार श्रीवास्तव, डा. संजय गोपाल बथालिया आदि मौजूद रहे।

कुलसचिव बोले, तीन दिन में फाइलें निस्तारित करें

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कई विभागों एवं अनुभागों में फाइलों का निस्तारण समय पर नहीं किया जा रहा है। इस दरम्यान अत्यावश्यक वित्त बोर्ड है और प्रशासनिक एवं विधिक समस्या भी होती है। मामले में कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने सभी घटक सहायकों, अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि तीन दिनों के अंतर्गत फाइलों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। अन्यथा इसे गंभीरता से लिया जाएगा। (जासं)

एमपीएड प्रवेश परीक्षा में 80 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी दाखिले के लिए सोमवार को छह विषयों की प्रवेश परीक्षा हुई। अंग्रेजी में 71 प्रतिशत, एमपीएड में 80 प्रतिशत, मार्केटिंग एंड ह्यूमन जेनेटिक्स में 70 प्रतिशत, गणित 77 प्रतिशत, फार्मेसिक साइंस 70 प्रतिशत और पालिटिकल साइंस में 76 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए। (जासं)

एलएलबी, बीसीए, बीवीए का दूसरा सीट आवंटन आज

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बीसीए, बीवीए/बीएफए और एलएलबी इंटिग्रेटेड पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में दूसरा सीट आवंटन मंगलवार को जारी होगा। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी बीकॉम 12 बजे के बाद अपने लॉगिन पर सीट आवंटन देख सकेंगे। आवंटित सीट की फीस जमा करने की अंतिम तिथि 11 अगस्त है। (जासं)

लवि : पीएचडी पेंटिंग का परिणाम जारी

लखनऊ : लवि ने पीएचडी प्रवेश सत्र 2022-23 के अंतर्गत पीएचडी पेंटिंग का परिणाम जारी कर दिया है। अभ्यर्थी लवि की वेबसाइट पर अपनी रैंक देख सकते हैं। (जासं)

तीन-चार साल से रुका पीएचडी कोर्स शुरू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग में सत्र 2019-20 व 2020-21 में पीएचडी प्रवेश लेने वाले शोधार्थियों के लिए मंगलवार को दिन राहत भरा था। तीन-चार साल से इंतजार कर रहे शोधार्थियों का पीएचडी कोर्स वर्क शुरू हो गया। डीन साइंस एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विभूति राय ने बताया कि दोनों बैच के शोधार्थियों के लिए समय सारिणी भी जारी कर दी गई है। कोर्स वर्क की कक्षाएं सुबह 10 से 11 बजे तक लगेंगी। (जासं)

कुलपति संयुक्त योजनाएं साझा करें : आनंदीबेन

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति को निर्देश दिए हैं कि नियमों में संशोधन की जरूरत पर बिंदुवार विवरण प्रस्तुत करें, जिससे अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद में परिणामदायी चर्चा की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों की उत्कृष्ट एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए 'उपक्रम' अपने कार्यों की प्रति 15 दिन में रिपोर्ट दे। उन्होंने उपक्रम को विश्वविद्यालयों की क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग की तैयारी के लिए भी विस्तृत दिशा-निर्देश देकर आवेदन को कहा। राज्यपाल ने कार्यशाला में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को संयुक्त योजना बनाकर साझेदारी से काम करने और राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग में उत्कृष्ट ग्रेड पाने को कहा।

राज्यपाल ने सोमवार को राजभवन में लखनऊ विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ और क्यूएस विश्व रैंकिंग में उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए कार्यशाला की अध्यक्षता की। इसमें कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय दो वर्षों से एनआईआरएफ में आवेदन कर रैंकिंग पा रहा है।

जलवायु शोध की जरूरत : आलोक

लखनऊ। ऐसे शोध की आवश्यकता है जो सतत विकास के लिए जलवायु परिवर्तन से निपट सके। छात्रों के लिए यूपी के बाहर मौजूद बेहतर अवसरों के कारण प्रतिभा का पलायन चिन्ताजनक है। हमें अपने राज्य के युवाओं को विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ने के लिए आकर्षित करने का प्रयास करना चाहिए। यह बातें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कही। एलयू के भूविज्ञान विभाग में 'महासागर डीऑक्सीजनेशन' विषय पर हरि नारायण लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड व्याख्यान के मौके पर कही।

इकोनॉमिक्स से जुड़ा कोर्स इस सत्र में नहीं

लखनऊ। एलयू में सत्र 2023-24 में एमए बिजनेस इकोनॉमिक्स कार्यक्रम नहीं संचालित किया जाएगा। 60 फीसदी से कम आवेदन आने के कारण विवि प्रशासन ने कोर्स संचालित करने से मना कर दिया। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को उनका आवेदन शुल्क वापस कर दिया जाएगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि किसी भी पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए सीटों के सापेक्ष 60 फीसदी आवेदन आने चाहिए। बिजनेस इकोनॉमिक्स के लिए कम अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरे थे। इससे सत्र 2023-24 में कोर्स का संचालन नहीं हो सकेगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

एनआईआरएफ में रैंकिंग के लिए राज्यपाल ने की लविवि की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को राजभवन में लखनऊ विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ व क्यूएस विश्व रैंकिंग में उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्धारित मापदंड के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों की उत्कृष्ट एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए हर पन्द्रह दिन में रिपोर्ट दी जाए। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति संयुक्त योजना बनाकर साझेदारी से कार्य करें।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एकांकी सोच से ऊपर उठकर आपसी सहयोग करें और प्रदेश हित में अपनी सोच का दायरा बढ़ाएं। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा पंकज जॉनी, प्रमुख सचिव साइंस एवं तकनीकी शिक्षा कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय आदि मौजूद रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

विश्वविद्यालयों के कुलपति संयुक्त योजना बनाएं : आनंदीबेन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को राजभवन में लखनऊ विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ तथा क्यू.एस. विश्व रैंकिंग में उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए कार्यशाला की

लखनऊ विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए कार्यशाला

अध्यक्षता की। कार्यशाला में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय ने जानकारी दी कि लखनऊ विश्वविद्यालय गत् दो वर्षों से लगातार एनआईआरएफ में रैंकिंग के लिए आवेदन कर रैंकिंग प्राप्त कर रहा है। उन्होंने वर्ष 2020-21 तथा वर्ष 2021-22 का अपना तुलनात्मक प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ में 115वीं रैंक प्राप्त करके पिछली ग्रेडिंग से 80 पायदान ऊपर की रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शीर्ष 100 शिक्षण संस्थाओं के अंतर्गत उत्कृष्ट एनआईआरएफ रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की टीम द्वारा रैंकिंग के सभी पांचों क्राइटेरिया पर उनके प्रस्तुतिकरण तथा विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थिति और रैंकिंग में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकने की सभी सम्भावनाओं पर विस्तार से विश्लेषण किया। चर्चा के दौरान कार्यशाला में उपक्रम के सदस्य एवं एनआईडी चण्डीगढ़ से विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग कर रहे प्रो0 संजीत ने एनआईआरएफ रैंकिंग में प्रदेश के विश्वविद्यालयों की अनेक तकनीकी समस्याओं की जानकारी देते हुए प्रदेश के विश्वविद्यालयों का दावा पुष्ट करने के लिए नियमों में संशोधन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रदेश के विश्वविद्यालयों की अनेक तकनीकी समस्याओं की जानकारी देते हुए प्रदेश के विश्वविद्यालयों का दावा पुष्ट करने के लिए नियमों में संशोधन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रदेश के विश्वविद्यालयों को 'उपक्रम' की अध्यक्षता में एनआईआरएफ रैंकिंग में अग्रसर होने के लाभों से भी अवगत कराया। राज्यपाल ने नियमों में संशोधन की आवश्यकता पर बिंदुवार विवरण तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिससे अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद में परिणामदायी चर्चा की जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों की उत्कृष्ट एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए 'उपक्रम' अपने कार्यों की प्रति 15 दिन में रिपोर्ट दे। उन्होंने उपक्रम को विश्वविद्यालयों की क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग की तैयारी के लिए भी विस्तृत दिशा-निर्देश देकर आवेदन कराने की दिशा में कार्य करने को कहा।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

विश्वविद्यालय सोच का दायरा बढ़ाएं : राज्यपाल

लखनऊ (एसएनबी)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय एकाकी सोच से ऊपर उठकर प्रदेश हित में अपनी सोच का दायरा बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति संयुक्त योजना बनाकर साझेदारी से कार्य करने और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग में उत्कृष्ट ग्रेड प्राप्त करने का लक्ष्य तय करें।

■ लखनऊ विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ में उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए कार्यशाला

■ सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति संयुक्त योजना बनाकर साझेदारी से कार्य करने और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग में उत्कृष्ट ग्रेड प्राप्त करने का तय करें लक्ष्य

राज्यपाल सोमवार को राजभवन में लखनऊ विश्व विद्यालय की एनआईआरएफ तथा क्यूएसविश्व रैंकिंग में उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए कार्यशाला की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि एनआईआरएफ रैंकिंग में अगले आवेदन की तिथि में समय सीमा को मद्देनजर रखते हुए विश्वविद्यालय कम समय में अच्छे परिणाम के लिए ध्यान केन्द्रित करें।

राज्यपाल ने नियमों में संशोधन की आवश्यकता पर बिंदुवार विवरण तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों की उत्कृष्ट एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए 'उपक्रम' अपने कार्यों की प्रति 15 दिन में रिपोर्ट दें। कार्यशाला में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय गत दो वर्षों से लगातार एनआईआरएफ में रैंकिंग के लिए आवेदन कर स्थान प्राप्त कर रहा है। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ में 115वीं रैंक प्राप्त करके पिछली ग्रेडिंग से 80 पायदान ऊपर की रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शीर्ष 100 शिक्षण संस्थाओं के अंतर्गत उत्कृष्ट एनआईआरएफ रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। चर्चा के दौरान कार्यशाला में उपक्रम के सदस्य एवं एनआईडी चंडीगढ़ से विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग कर रहे प्रो. संजीत ने एनआईआरएफ रैंकिंग में प्रदेश के विश्वविद्यालयों की अनेक तकनीकी समस्याओं की जानकारी देते हुए प्रदेश के विश्वविद्यालयों का दावा पुष्ट करने के लिए नियमों में संशोधन की आवश्यकता पर बल दिया।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

संसाधनों के संरक्षण से ही प्रकृति की रक्षा

लविवि के भू विज्ञान विभाग में हुआ व्याख्यान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भू विज्ञान विभाग में डॉ. एसडब्ल्यूए नकवी द्वारा "महासागर डी ऑ क सी ज ने श न" विषय पर हरि नारायण लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड व्याख्यान का आयोजन हुआ।

लविवि के भू विज्ञान विभाग में व्याख्यान में मौजूद शिक्षक व अन्य। संवाद

यह कार्यक्रम लविवि के भूविज्ञान विभाग और भारतीय भूभौतिकीय संघ ने संयुक्त तौर पर आयोजित था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि मानवजनित गतिविधियों के चलते पर्यावरण दूषित हो रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से ही प्रकृति की रक्षा होगी। वैज्ञानिक डॉ. संजय गोपाल ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन एक बार नष्ट हो जाने के बाद दोबारा नहीं भरे जा सकते। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुवसेन सिंह, संकायध्यक्ष प्रो. विभूति राय, प्रो. आर. बली, डॉ. कलाचंद सेन, डॉ. वी.एम. तिवारी व डॉ. अभय राम बंसल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति से ही बनेगा सभ्य समाज

लखनऊ। ऑल इंडिया पयामे इंसानियत फोरम, लखनऊ यूनिट ने सोमवार को समाज को नशामुक्त करने के लिए अभियान का आगाज किया। मॉडल हाउस स्थित स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व पार्षद विनोद कुमार सिंघल व मौलाना इस्तेफाउल हसन नदवी ने कहा कि देश नशा मुक्त नहीं होगा तब तक सभ्य समाज की कल्पना नहीं कर सकते। इस मौके पर लखनऊ व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष विजय कुमार निर्वाण, महेश साहू, संदीप यादव आदि मौजूद रहे। संवाद

विश्वस्तरीय रैंकिंग के लिए मिलकर करें काम

लखनऊ। सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को संयुक्त योजना बनाकर कार्य करते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छे ग्रेड का लक्ष्य रखना चाहिए। एनआईआरएफ और क्यूएस रैंकिं